Volume - 4 (2024)
Issue - 2 (April)
LIBRARY SCHOLAR
International Peer-Reviewed Journal of Library Science
ISSN
2583-2549

ग्रंथालय और सूचना विज्ञान में उभरती नवीन प्रौद्योगिकियॉ

श्रीमति कांति सिंह काठेड़
पुस्तकालयाध्यक्ष
स्वामी विवेकानंद भाासकीय वाणिज्य महाविद्यालय
श्रतलाम

सार : ग्रंथालय वि"व एवं भारतीय परिवे"ा में वह स्थान है जहॉ पर पाठक अपनी रुची के अनुसार अध्ययन करके अपने ज्ञान की वृद्वि कर सकता है। ग्रंथालय एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्थाओं में से एक वि"ोश संस्था है। वर्तमान में ग्रंथालयों का स्थान ऊॅचा हो गया है। किसी भी ग्रंथालय में प्राचीन से लेकर आधुनिक ज्ञान से भरा होता है। कोई भी समाज वि"व भर में जानकारी संग्रहित करने वाले ग्रंथालय के बिना पूरा नही होता है। वर्तमान में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) ने ग्रंथालयों और उनकी सेवाओं को व्यापक रुप से प्रभावित किया है। पहले के समय में ग्रंथालय अपने पाठकों को मैन्यूअल सूचना संसाधन एवं सेवायें प्रदान करते थे। लेकिन वर्तमान समय में ग्रंथालय पूर्णताः डिजीटलीकरण के लिये खुल गये हैं। इसमें पुस्तकालयों के रुप में अपनी सेवायें अपने पाठको को त्वरित उपलब्ध करा रहे हैं।

की वर्डस् : इंटेजीजेंट ग्रंथालय सर्च और फेडरेटेड सर्च, बिग डेटा और डेटा विजुअलाईजे"ान, क्लाऊड कंप्यूटिंग, आर्टिफि"ियल इंटेलीजेंस, इंटानेट ऑफ थिंग्स, इलेक्ट्रानिक संसाधन प्रबंधन, मोबाईल आधारित पुस्तकालय सेवायें, आर एफ आई डी कार्यन्वयन।

इंटेजीजेंट ग्रंथालय सर्च और फेडरेटेड सर्च:

इंटेजीजेंट ग्रंथालय सर्च और फेडरेटेड सर्च केवल एक क्वेरी और फेडरेटेड सर्च के साथ एक खोज इंटरफेस के साथ कई अलग अलग सामाग्री स्थानों से जानकारी प्राप्त करने में मुख्य ग्रंथालयों की सहायता करती हैं और अनुक्रमण को सहज बनाती है। ग्रंथालय इस तकनीक का उपयोग वर्णनात्मक केटेलॉगिंग, विशय अनुक्रमण डेटाबेस खोज एवं संग्रह विकास के लिये भी करते हैं।

बिग डेटा और डेटा विजुअलाईजे"ान:

बिग डेटा और डेटा विजुअलाईजे"ान चार्ट, ग्राफ, मानचित्र और अन्य दृ"य रुपों के माध्यम को बड़ी मात्रा में डेटा प्रदि"र्ात करने की विधि है। यह मानव मस्तिश्क के लिये जानकारी को समझाने के लिये अधिक स्वाभाविक बनाता है और बिग डेटा सैट के भीतर रुझानों, पैटर्न और आऊटलेर्स को पहचानना आसान बनाता है। यह तकनीक की मात्रा में डेटा तक पहुॅच बनाते हुये डिजीटल ग्रंथालय को वै"वीकृत बनने में मदद कर रही है। यह ग्रंथालयों के उन पाठकों के लिये अधिक आसानी से सुलभ बनाता है जो अपनी जानकारियों को अति"ीघ्र प्राप्त करना चाहते हैं।

क्लाऊड कंप्यूटिंग :

ग्रंथालयों को और अधिक सुव्यवस्थित और लागतकु"ाल बनाने बनाने के लिये वि"व भर केग्रंथालय क्लाऊड कंप्यूटिंग को अपना रहे हैं। यह ग्रंथालय प्रबंधन प्रणाली डिजीटल ग्रंथालयों या रिपॉजिटरी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।क्लाऊड कंप्यूटिंग ग्रंथालय संसाधनों, बुनियादि ढॉचों, मानव संसाधनों आदि का अधिकतम उपयोग भी सुनि"चत करता है। इसके अलावा प्रौद्योगिकी का उपयोग पुस्तकालय संचालन और त्वरित डेटा खोज के लिये भी किया जाता है। इसके अतिरिक्त एक डिजीटल ग्रंथालय में क्लाऊड कंप्यूटिंगयह सुनि"चत करती है कि तृतीय पक्ष सेवायें सर्वर का प्रबंधन कर सकती हैं और उन्हे अपग्रेड कर सकती हैं और उसका डेटा बैकअप बना सकती हैं।

आर्टिफि"ायल इंटेलीजेंस :

आर्टिफि"ायल इंटेलीजेंस (कृत्रिम बुद्विमता – ।ण्) एक रोबोट या कंप्यूटर की भाक्ति का उपयोग करती है, जो उन कार्यो को करने का प्रयास करती है, जो मनुश्य आमतौर पर करते हैं। किसी भी ग्रंथालय में ए.आई. का सबसे आम अनुप्रयोग चैटबॉट है जो उपयोगकर्ताओं से दि"ाात्मक प्र"न प्राप्त करता है और उनका समाधन करता उपयोगकर्ता को संबंधित ग्रंथालय खंड में निर्दे"ात कर सकते हैं और नियुक्तियों को स्वचालित रुप से भोडयूल कर सकते हैं।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स :

सर्वोतम एकीकृत ग्रंथालय सॉफ्टवेयर और एलएमएस सॉफ्टवेयर ने मानवीय हस्तक्षेप के बिना डेटा स्थानांतरित करने के लिये इंटरनेट ऑफ थिंग्स (प्वज) का उपयोग करना भ्रुरु कर दिया है। ग्रंथालय इन्वेंटी को नियंत्रित कराना, चोरी रोकने और उपयोगकर्तागों की पहचान करने के लिये (प्वज) का उपयोग करते हैं। यह सर्कुले" ान डेस्क गतिविधियों की गुणवत्ता और गति में सुधार करने में भी मदद करता है। इसके अलावा (प्वज) पुस्तकों के आरक्षण ग्रंथालय में आग का पता लगाने और उसकी रोकथाम में तेजी लाता है और ई ग्रंथालय सेवाओं को सुव्यवस्थित करता है।

इलेक्ट्रानिक संसाधन प्रबंधन :

इलेक्ट्रानिक संसाधन ई जर्नल्स, ई पुस्तकें ऑनलाईन डेटाबेस और डिजीटल प्रारुप में अन्य सामग्रियों को संदर्भित करते हैं जो इलेक्ट्रानिक रुप से पहुॅच योग्य है। ई संसाधन प्रबंधनसॉफ्टवेयर का उपयोग ग्रंथालयों द्वारा ग्रंथालय केइलेक्ट्रानिक सूचना संसाधनों के संग्रह, पहुॅच, प्राधिकरण, रखरखाव, उपयोग मूल्यांकन आरक्षण और चयन का पता लगाने के लिये किया जा सकता है।

मोबाईल आधारित पुस्तकालय सेवायें :

ग्रंथालयों के तीन मुख्य उद्दे" य होते हैं 1. साक्षरता को बढावा देना 2. लोगों तक उपयोगी दैनिक जानकारी प्रसारित करना है 3. अपनी पठन सामग्री और संसाधनों के माध्यम से आजीवन सीखने को प्रोत्साहित करना। मोबाईल ग्रंथालय उन उपयोगकर्ताओं के लिये ग्रंथालय के नि" चत स्थान के बाहर संसाधन उपलबध कराती है। एसएमएस और व्हाट्सऐप जैसी मोबाईल सेवाओं की मदद से ग्रंथालय नई सेवाये तैयार करते हैं और उनके संग्रह तक तेजी से पहुॅच प्रदान कर सकते हैं। इसमें एक ि" ाक्षण प्रबंधन प्रणाली (एल एम एस) भी भाामिल है। एक सॉफ्टवेयर एप्लीके" ान जो ढॉचा प्रदान करता है, सीखने की प्रक्रिया के सभी पहलुओं को संभालता है और आपका प्र" ाक्षण सामग्री को ट्रैक करता है। सर्वोतम एल एम एससॉफ्टवेयर का एक उदाहरण मॉड्यूल है। ओपेक मोबाईल एप्लीके" ान

मोबाईल आधारित ग्रंथालय सेवाओं का एक उत्कृश्ट उदाहरण है। यह प्लेटफार्म ैस्प्डसॉफ्टवेयर द्वारा संचालित है और इसका उद्दे” य पारंपरिक ग्रंथालयों को डिजीटल पुस्तकालय में परिवर्तित करना है।

आर एफ आई डी कार्यन्वयन :

रेडियो फ्रीक्वेंसी आईडेंटीफिके” ान (आर एफ आई डी) ग्रंथालय आईटम से जुड़े टैग को स्वचालित रुप से चुनने और टैक करने के लिये विद्युत चुंबकीय क्षेत्रों का उपयोग करती है।आर एफ आई डी आधारित ग्रंथालय प्रबंधन प्रणाली इन्वेंट्री को टैक करने और ग्रंथालय चोरी का पता लगाने वाली प्रणालियों को मजबूत करने के लिये उपयोग की जाने वाली नवीनतम तकनीक है। यह सुव्यवस्थित करके और मानव निर्भरता को कम करके उनकी दक्षता बढाती है। उपयोगकर्ताओं के लियेआर एफ आई डी उधार लेने और वापसी प्रक्रियाओं को तेज करता है। इसलिये आर एफ आई डी समय बचाता है और पुस्तकालय लागत कम करता है।

निश्कर्श :

वर्तमान समय में ग्रंथालय एक ऐसी संस्था है जहॉ पर तत्काल नवीनतम सूचना प्राप्त करने के लिये आधुनिक प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल करके जानकारियों को प्राप्त किया जा सकता है। वि” व में ग्रंथालयों को वि” ोश स्थान प्राप्त हो चुका है। ग्रंथालयों को पूर्ण रुप से डिजीटल किया जा रहा है। डिजीकरण की वजह से ग्रंथालयों के उपयोगकर्ताओं की संख्या में बढोतरी हुई है।

संदर्भ :

- http://resources.noodle.com
- http://Libguides.nmstalelibrary.org
- http://www.researchgate.net
- http://irjhis.com